NT>

Title: Allged failure of Bihar Government to delegate powers to Panchayats.

**श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) :** अध्यक्ष महोदय, हाई कोर्ट और केन्द्र सरकार के दबाव में बिहार में पंचायत, नगर निकाय और जिला परिद के चुना व हो गये। एक साल से ऊपर होने जा रहा है, लेकिन सरकार द्वारा पंचायतों को कोई अधिकार नहीं दिये गये। मुखिया, ब्लाक प्रमुख और जिला परिद के अध्यक्ष या सदस्यों को कोई अधिकार सरकार के द्वारा नहीं दिया गया है। कल भी हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि पंचायत को पूर्ण अधिकार दिये जाएं। पंचायत को संविधान सम्मत 29 विभाग प्राप्त हैं, लेकिन इनमें से एक भी विभाग के अधिकार मुखिया, ब्लाक प्रमुख को नहीं दिये गये हैं। जब कि हाई कोर्ट ने पेपर्स के द्वारा संज्ञान लिया है और इस बारे में बार-बार कहा है। लेकिन आज तक वहां विकास का कोई पैसा नहीं जा सका। प्रधान मंत्री सड़क योजना का 400 करोड़ रुपया बिहार सरकार को दिया गया। देश के विभिन्न राज्यों में प्रधान मंत्री सड़क योजना चालू है। इसमें दोबारा फंड चला गया है। लेकिन बिहार में पहले जो राशि गई थी, वह काम भी पूरा नहीं किया गया।â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** इतना लम्बा भाण नहीं हो सकता है। आप एक मिनट में समाप्त करिये। मैंने दो-दो मिनट सबको देने हैं।

**श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव** : यहां तक बिहार में पेयजल की यह स्थिति है कि इस मद में 425 करोड़ रुपया बिना खर्च हुए रखा हुआ है। मेरी केन्द्र सरकार से सिर्फ यह मांग है कि केन्द्र सरकार यहां से आदेश दे कि निश्चित रूप से पंचायत राज में संविधान के संगत जो नियम और कानून हैं, वे बिहार में अक्षरशः लागू हों। इस कारण से केन्द्र सरकार ने जो पैसा नहीं दिया है, वह पैसा रिलीज किया जाए और उस पैसे पर यहां से एक जांच कमेटी बने, जो प्रधान मंत्री सड़क योजना का पैसा तथा पंचायत राज का पैसा है, जो केन्द्र सरकार द्वारा दिया जाता है, वह डायरेक्ट बिहार सरकार को न दिया जाए। बिहार सरकार का इसमें कोई हस्तक्षेप न हो।

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप बैठिये, दूसरे सदस्यों को भी मौका मिलना चाहिए। Nothing further, whatever he speaks, will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

**श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) :** अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य बिल्कुल ठीक कह रहे हैं। वहां कोई काम नहीं होता है, वहां सड़कें भी नहीं बनाई जाती हैं। राज्य में लोग रोज मरते हैं। क्रिमिनल्स भाग जाते हैं और पुलिस आराम से पहुंचती है। डेवलपमैन्ट न होने का यहीं सबसे बड़ा कारण है। श्री पप्पू यादव जी की बात का मैं समर्थन् करता हूं।

अध्यक्ष महोदय : अभी उड़ीसा के सदस्य बोल रहे हैं।